खबर संक्षेप

26 अप्रैल को राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा

शहडोल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन 26 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। यह परीक्षा आएमआर पद्धति से दो सत्रों में संपन्न होगी। प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 2:15 बजे से 4:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। संयुक्त कलेक्टर द्वारा जिला कोषालय अधिकारी शहडोल को निर्देश जारी करते हुए कहा गया है कि परीक्षा से संबंधित सभी गोपनीय सामग्री जैसे प्रश्नपत्र, उत्तर पुस्तिकाएं एवं अन्य अभिलेख कोषालय के स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे जाएं। परीक्षा समाप्ति के बाद सीलबंद उत्तर पुस्तिकाएं एवं अन्य गोपनीय सामग्री आयोग में जमा कराने तक पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में इस परीक्षा के लिए कुल 5 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन द्वारा परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को जिला स्तरीय कार्यक्रम

सीईओ जिला पंचायत होंगे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी
विभिन्न अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:30 बजे सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाण्डवनगर, शहडोल में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल, व्यवस्थित एवं गरिमामय बनाने हेतु सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति को नोडल अधिकारी एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनन्द राय सिन्हा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। कार्यक्रम का सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने जारी की जिला कार्यकारिणी

संगठन को मजबूती देने का संकल्प

शहडोल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुमति के उपरांत जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी द्वारा नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस कार्यकारिणी में संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर अनुभवी एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। घोषित कार्यकारिणी में 1 कोषाध्यक्ष, 10 उपाध्यक्ष, 15 महामंत्री, 20 सचिव, 2 प्रवक्ता एवं 2 सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। यह टीम जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से आम जनता, किसानों, युवाओं एवं गरीब वर्ग के हितों के लिए संघर्ष करती आई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी पदाधिकारी पार्टी की रीति-नीति के अनुरूप निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

आग का गोला बना ब्यौहारी स्टेशन

ट्रैक मशीन की बोगी धू-धू कर जली, सिस्टम की शॉर्ट सर्किट ने सांसें रोकीं

धधकती गर्मी के बीच रेलवे की बड़ी लापरवाही आई सामने

प्लेटफार्म नंबर-1 पर मची भगदड़

खाक होने से बची करोड़ों की मशीनरी और स्टेशन परिसर

शहडोल। आसमान से बरसती आग और सिस्टम की सुस्ती ने ब्यौहारी रेलवे स्टेशन को दहला कर रख दिया। प्लेटफार्म नंबर-1 के पास साइडिंग में खड़ी ट्रैक मशीन की बोगी अचानक जिंदा मशाल में तब्दील हो गई। दोपहर की चिलचिलाती धूप के बीच जब बोगी से आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठा, तो स्टेशन पर मौजूद यात्रियों के पैरों तले जमीन खिसक गई। अफरा-तफरी और चीख-पुकार के बीच स्टेशन परिसर किसी युद्ध क्षेत्र जैसा नजर आने लगा। गनीमत रही कि दमकल की गाडिय़ों ने वक्त रहते मोर्चा संभाल लिया, वरना ब्यौहारी स्टेशन की राख की खबरें छप रही होतीं।

मौत बनकर दौड़ी लपटें

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी भीषण थी कि चंद मिनटों में ही पूरी बोगी को अपनी आगोश में ले लिया। प्लेटफार्म नंबर-1, जो हमेशा यात्रियों से गुलजार रहता है, वहां भगदड़ मच गई। लोग अपने सामान और बच्चों को लेकर इधर-उधर भागने लगे। रेलवे ट्रैक पर खड़ी यह मशीन करोड़ों की बताई जा रही है, जो पटरियों के रखरखाव के काम आती है। अगर आग पास खड़ी अन्य बोगियों या स्टेशन की मुख्य बिल्डिंग तक पहुंच जाती, तो जिले के इतिहास का यह सबसे बड़ा रेल हादसा हो सकता था।

दमकल की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

जैसे ही आग की खबर फैली, रेलवे महकमे में हडक़ंप मच गया। तत्काल डायल 112 और फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने जान जोखिम में डालकर आग पर पानी की बौछारें शुरू कीं। कड़ी मशक्कत के बाद जब आग पर काबू पाया गया, तब जाकर रेलवे अधिकारियों ने राहत की सांस ली। हालांकि, तब तक बोगी के भीतर का हिस्सा पूरी तरह स्वाहा हो चुका था। राहत की बात सिर्फ इतनी रही कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई, वरना रेलवे के पास जवाब देते नहीं बनता।

शॉर्ट सर्किट का बहाना या सुरक्षा से खिलवाड़

रेलवे प्रशासन ने प्रारंभिक जांच के बाद हमेशा की तरह शॉर्ट सर्किट का पुराना और घिसा-पिटा राग अलापना शुरू कर दिया है। सवाल यह उठता है कि क्या गर्मी के इस मौसम में खड़ी मशीनों की फायर ऑडिट नहीं की गई थी? रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर यह घटना एक बड़ा तमाचा है। जिस स्टेशन पर रोजाना हजारों जिंदगियां सफर करती हैं, वहां इस तरह की तकनीकी लापरवाही किसी बड़े अपराध से कम नहीं है।

सिस्टम की नॉन-सीरियस वर्किंग पर उठे सवाल

गर्मी का पारा 42 डिग्री के पार है, ऐसे में मशीनों और कोचों का तापमान बढऩा स्वाभाविक है, लेकिन रेलवे प्रशासन की अधिक सतर्कता सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आ रही है। ब्यौहारी स्टेशन की इस घटना ने साफ कर दिया है कि विभाग केवल हादसों का इंतजार करता है। यदि समय रहते दमकल विभाग ने फुर्ती न दिखाई होती, तो करोड़ों का राजस्व और दर्जनों जानें खतरे में पड़ सकती थीं।

जांच का झुनझुना और जिम्मेदार कौन

फिलहाल, रेलवे ने विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं, लेकिन सवाल वही है कि क्या यह जांच किसी बड़े अधिकारी की कुर्सी तक पहुंचेगी या हमेशा की तरह किसी छोटे कर्मचारी को बलि का बकरा बनाकर मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा? ब्यौहारी की जनता और यात्री अब इस अग्नि परीक्षा पर जवाब चाहते हैं। आग ने रेलवे के दावों की कलई खोल दी है। आज तो सिर्फ धुआं उठा है, अगर सिस्टम नहीं सुधरा तो कल राख समेटने की तैयारी रखनी होगी।

एपीसी रमसा की पुनर्विचार याचिका हाईकोर्ट से खारिज

अब कुर्सी छोडना तय

शहडोल।

नियमों के विपरीत और बैक डोर एंट्री के आरोपों से घिरे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय शहडोल में पदस्थ एपीसी रमसा अरविंद कुमार पांडेय को उच्च न्यायालय जबलपुर से बड़ा झटका लगा है। न्यायालय ने उनकी पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया है, जिसके बाद अब उन्हें पद से हटाने का पूर्व आदेश पुनः प्रभावी हो गया है। जानकारी के अनुसार अरविंद कुमार पांडेय (मूल पद शिक्षा कर्मी वर्ग-1 उच्च माध्यमिक शिक्षक) पिछले 4 वर्षों से अधिक समय से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर प्रभारी एपीसी रमसा के पद पर पदस्थ हैं। उन पर आरोप है कि उनकी यह नियुक्ति नियमों के पूरी तरह विपरीत और बैक डोर तरीके से की गई थी। इस अनियमितता के खिलाफ मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने 17 फरवरी को उन्हें पद से हटाने का आदेश जारी किया था। इस आदेश के खिलाफ अरविंद कुमार पांडेय ने उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विशाल धगत की एकल पीठ ने 6 अप्रैल को अपना निर्णय सुनाते हुए याचिका को आधारहीन मानकर खारिज कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता अपने दावों के समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज पेश करने में विफल रहे और पूर्व में सूचना के अधिकार से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर दिया गया निर्णय सही है। जानकारों के अनुसार पुनर्विचार याचिका खारिज होने के साथ ही 17 फरवरी का वह आदेश फिर से क्रियाशील हो गया है, जिसमें उन्हें एपीसी रमसा के पद से हटाने के निर्देश दिए गए थे। अब शिक्षा विभाग को अरविंद पांडेय को तत्काल प्रभाव से मूल पद पर वापस भेजने की कार्रवाई करनी होगी।

रेत माफिया राजकुमार गिरफ्तार, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त!

शहडोल। खनिज माफियाओं के कलेजे में दहशत भरते हुए ब्यौहारी पुलिस ने बनास नदी के सीने से अवैध रेत नोच रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली पर प्रहार किया है। थाना प्रभारी जिया उल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम बोंडिहा में घेराबंदी कर रेत के अवैध परिवहन को रंगे हाथों पकड़ा। अमहाखेरवा निवासी आरोपी राजकुमार तिवारी पुलिस को कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका, जिसके बाद खाकी ने ट्रैक्टर जब्त कर खनिज अधिनियम के तहत मामला ठोक दिया है। उप निरीक्षक सुरेश कुमार की इस सटीक कार्यवाही ने साफ कर दिया है कि ब्यौहारी में अब रेत का खेल भारी पड़ेगा।

खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

शहडोल। यूआईटी उत्सव 2026 के सप्तम दिवस पर खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। दिनभर चले विभिन्न मुकाबलों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। क्रिकेट के प्रथम सेमीफाइनल में मैकेनिकल द्वितीय वर्ष और माइनिंग चतुर्थ वर्ष के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। माइनिंग चतुर्थ वर्ष की टीम ने 11.2 ओवर में 155 रन बनाकर 5 विकेट से शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। कबड्डी के फाइनल मुकाबले में माइनिंग चतुर्थ वर्ष और माइनिंग प्रथम वर्ष की टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अंततः माइनिंग चतुर्थ वर्ष ने 41-39 अंकों से जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। फुटबॉल के दो सेमीफाइनल मुकाबलों के बाद फाइनल के लिए माइनिंग तृतीय वर्ष और माइनिंग चतुर्थ वर्ष की टीमों ने जगह बनाई, जिनके बीच निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। कैरम पुरुष वर्ग के फाइनल में निहाल संत और विधाता उइके आमने-सामने हुए, जिसमें विधाता उइके ने जीत दर्ज कर विजेता का खिताब हासिल किया।
कार्यक्रम के दौरान संस्था के संचालक डॉ. पंकज जैन ने विजेता टीमों एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही क्विज, सिंगिंग, डांस, डिबेट एवं ड्रामा जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में आशीष खरे, बिपिन सिंह, निखत खान, अमिताभ मिश्रा, महेंद्र यादव एवं अमित तिवारी का विशेष योगदान रहा।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियां

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा जीवन के पहले 6 वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास पर आधारित आठवां पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी अनुक्रम में जिले के जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत खड्डा, जनपद पंचायत बुढार के बकहो के आंगनबाड़ी केंद्रो में महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा आठवां पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता रैलियाँ, पोषण वाटिका निर्माण, स्थानीय खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता जैसी अन्य गतिविधियां आयोजित की गई।

पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता का सुंदर उदाहरण, पेड़ों पर बांधे जा रहें सकोरे

शहडोल। जल ही जीवन है, ग्रीष्म ऋतु में हर जीव-जंतु के लिए पानी अत्यंत आवश्यक हो जाता है। बढ़ती गर्मी और सूखते प्राकृतिक जल स्रोतों के कारण पशु-पक्षियों के सामने जल संकट उत्पन्न हो जाता है। ऐसे समय में शहडोल के युवाओं ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था का जिम्मा उठाया है। नगर के विभिन्न स्थानों पर पेड़ों में मिट्टी के सकोरे बांधकर उनमें नियमित रूप से पानी भरा जा रहा है, जिससे पक्षियों को आसानी से जल उपलब्ध हो सके। यह छोटा सा प्रयास न केवल पक्षियों के जीवन को बचाने में सहायक है, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रहा है। इसी क्रम में पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में सकोरे बांधकर अभियान की शुरुआत की है। छात्र-छात्राएं स्वयं आगे आकर इस कार्य में भाग ले रहे हैं और दूसरों को भी प्रेरित कर रहे हैं।

अखिल भारतीय ब्राम्हण समाज शहडोल की बैठक संपन्न

एकता के साथ निकलेगी परशुराम जयंती की शोभायात्रा

शहडोल। अखिल भारतीय ब्राम्हण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज की एकजुटता, संगठन की मजबूती एवं आगामी भगवान परशुराम जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष समाज के सभी सदस्य एक मंच पर आकर जयस्तंभ चौक से निकलने वाली भगवान परशुराम जन्मोत्सव की शोभायात्रा में शामिल होंगे।
संभाग अध्यक्ष पंडित पीयूष शुक्ला ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्षों में अखिल भारतीय ब्राम्हण समाज द्वारा भगतसिंह कॉम्प्लेक्स से अलग से शोभायात्रा निकाली जाती रही है, किन्तु इस बार समाज की एकता एवं अखंडता को सर्वोपरि रखते हुए समाजजनों की सहमति से यह निर्णय लिया गया है कि समस्त ब्राम्हण समाज एकजुट होकर जयस्तंभ चौक से निकलने वाली मुख्य शोभायात्रा में सहभागिता करेगा।
उन्होंने कहा कि यह निर्णय समाज में आपसी समन्वय, भाईचारे एवं सामूहिक शक्ति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भगवान परशुराम जन्मोत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि समाज के गौरव, संस्कृति एवं परंपराओं का भी परिचायक है। इस आयोजन के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया और संकल्प लिया कि इस वर्ष की शोभायात्रा को भव्य, आकर्षक एवं अनुशासित रूप से आयोजित किया जाएगा।
इस अवसर पर पंडित राजेश्वर उदानिया, पंडित बाल्मीक गौतम, पंडित अजय अवस्थी, पंडित पीयूष शुक्ला, पंडित प्रभात पाण्डेय, पंडित राजेश पाठक, पंडित मुरली गौतम, पंडित विवेक तिवारी, पंडित प्रीतेश द्विवेदी, पंडित अनुपम गौतम, पंडित अरुण द्विवेदी, पंडित सोनू द्विवेदी सहित ब्राम्हण समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में समाज के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान परशुराम जन्मोत्सव की शोभायात्रा को सफल बनाने की अपील की गई।

श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की नई दरें घोषित, एक अप्रैल से लागू

शहडोल। जिले के विभिन्न नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की नई दरें निर्धारित की गई हैं। श्रम आयुक्त मध्यप्रदेश शासन इंदौर के पत्र और मध्यप्रदेश असाधारण राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुक्रम में कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा एक अप्रैल 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक की अवधि के लिए परिवर्तनशील महंगाई भत्ते सहित न्यूनतम वेतन की दरें प्रभावी करने का आदेश जारी किया गया है। यह पुनरीक्षण अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में हुई वृद्धि के आधार पर किया गया है, जिसमें जुलाई से दिसंबर 2025 की छमाही के दौरान औसत सूचकांक 425 रहा, जो पिछली छमाही के औसत 414 से 11 बिंदु अधिक है।
नवीन दरों के अनुसार 67 अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत अकुशल श्रमिकों का कुल मासिक वेतन 12425रुपये (प्रतिदिन 478रुपये) तय किया गया है। इसी प्रकार अर्धकुशल श्रमिकों के लिए 13421रुपये मासिक (516रुपये प्रतिदिन), कुशल श्रमिकों के लिए 15144रुपये मासिक (582रुपये प्रतिदिन) और उच्च कुशल श्रमिकों के लिए 16769रुपये मासिक (645रुपये प्रतिदिन) की दरें निर्धारित की गई हैं। शासकीय विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों के लिए भी वेतनमान जारी किया गया है, जिसमें अकुशल वर्ग को 414रुपये, अर्धकुशल को 447 रुपये,कुशल को 505 रुपये और उच्च कुशल श्रमिकों को 559रुपये प्रतिदिन देय होगा।
कृषि नियोजन के क्षेत्र में कार्यरत अकुशल श्रमिकों के लिए कुल मासिक वेतन 10012 रुपये और प्रतिदिन की दर 334 रुपये निर्धारित की गई है। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि मजदूरी निर्धारण में 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित किया गया है, जबकि 50 पैसे से कम राशि को छोड़ दिया गया है। कलेक्टर ने जिले के समस्त नियोजकों को निर्देशित किया है कि वे श्रमिकों और कर्मचारियों को परिवर्तनशील महंगाई भत्ते सहित इन नई न्यूनतम दरों के अनुसार भुगतान सुनिश्चित करें।

रीवा का शातिर बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की पल्सर बरामद

शहडोल। संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ गोहपारू पुलिस ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। किराये के कमरे के सामने से बाइक उड़ाकर पुलिस को चुनौती देने वाले शातिर चोर को खाकी ने महज चंद दिनों के भीतर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पुलिस ने न केवल चोरी का पर्दाफाश किया, बल्कि आरोपी के कब्जे से चोरी की गई पल्सर भी बरामद कर ली है।

रीवा से आकर शहडोल में मारी सेंध

घटना बीते 7 अप्रैल की है, जब बिजुरी निवासी रामनरेश यादव की बजाज पल्सर उनके किराये के कमरे के सामने से रहस्यमयी ढंग से गायब हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने जाल बिछाया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सटीक सूचना पर पुलिस की टीम सीधे रीवा के कारीगर मोहल्ला (बिछिया) जा धमकी। वहां से घेराबंदी कर आरोपी आरिफ को दबोचा गया, जिसने पूछताछ में अपना गुनाह उगल दिया।

इन जांबाजों ने बिगाड़ा चोर का खेल

थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार मिश्रा के नेतृत्व में सउनि भागचन्द्र चौधरी, प्रआर दशरथ सिंह, रामनरेश यादव और आरक्षक प्रदीप बरकडे की टीम ने इस मामले में सराहनीय भूमिका निभाई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के बाइक चोरों में हडक़ंप मच गया है।

निरंकारी बाल समागम में बच्चों ने प्रस्तुत किए भक्तिभावना से ओतप्रोत गीत कविता एवं नाटक

शहडोल। रविवार को संत निरंकारी मिशन के विशेष बाल समागम की अध्यक्षता करते हुए कटनी से आईं निरंकारी बहन मुस्कान बनवानी ने कहा कि प्रतियोगिता में 50 बच्चे शामिल होते हैं तो हर बच्चा प्रथम नहीं आ सकता है। बाबा हरदेव सिंह जी कहा करते थे कि हमें जीवन की हर प्रतियोगिता में भाग लेना है पर मर्यादा में रहना है।। माता पिता को चाहिए कि बच्चों को मर्यादा में रहना सिखाएं। उनकी गल्तियों पर पर्दा न डालें उनको बताएं कि यह गलत है ऐसा नहीं करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सत्संग से जोड़ें। उनको बचपन से ही आध्यात्म की ओर लेकर जाएं। बच्चों को चाहिए कि वे अपनी माता पिता की बातों को मानें। माता पिता हमारे भले के लिए ही हमें समझाते हैं डांटते हैं। माता पिता की बातों का बुरा न मानें। निरंकारी बहन ने कहा कि बचपन ही ऐसा होता है जब अच्छे इंसान बनने की शुरूआत होती है। इस बाल समागम में कटनी, सीधी, बुढार, धनपुरी, पाली , उमरिया एवं शहडोल के निरंकारी बच्चों ने गीत भाषण और नाट्य की प्रस्तुति देकर भक्ति से भरी भावनाओं को व्यक्त किया। सत्संग का संचालन नितिन लालवानी एवं कीर्ति कटारे ने किया। मुखी जी.डी.आहूजा ने निरंकारी बहन का स्वागत कर आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आज

उमरिया। जिले में शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क परियोजना के सफल कार्यान्वयन हेतु गठित जिला स्तरीय निगरानी समिति (डीएलएमसी) की समीक्षा बैठक का आयोजन 13 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

17 अप्रैल को युवा संगम रोजगार मेला

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन शासकीय आई टी आई उमरिया में 17 अप्रैल किया गया है। युवा संगम रोजगार में विभिन्न कंपनियों व्दारा भाग लिया जाएगा, जिसके माध्यम से युवक, युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

9 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

उमरिया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा ने बताया कि 9 मई 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक,सिविल, श्रम,मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित, प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण,नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जनमानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से 9 मई 2026 को निपटारा कराएं एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

टाइगर स्टेट के माथे पर कलंक बनता बांधवगढ़!

सफारी के शोर में घुट रहा है बाघों का दम, रसूख और राजस्व के आगे बौना हो गया वन्यजीव कानून

उमरिया। विरासत जब व्यापार बन जाए, तो विनाश का मार्ग प्रशस्त होने लगता है। मध्य प्रदेश का गौरव और बाघों का अंतरराष्ट्रीय गढ़ कहा जाने वाला बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व आज इसी त्रासदी से गुजर रहा है। यहां के कोर जोन में इन दिनों बाघों का दीदार नहीं, बल्कि इंसानी लालच और बेलगाम पर्यटन का 'मेला' लग रहा है। जो जंगल बाघों की दहाड़ से पहचाना जाता था, आज वहां जिप्सियों के इंजनों का शोर और पर्यटकों का शोर-शराबा वन्यजीवों के अस्तित्व पर भारी पड़ रहा है।

बाघों के बेडरूम तक जा पहुंची जिप्सियां

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो किसी भी प्रकृति प्रेमी का कलेजा चीरने के लिए काफी हैं। ताला जोन के चक्रधरा और गोपालपुर से लेकर खितौली के ढम-ढमा नाला तक, बाघों की निजता का सरेआम चीरहरण हो रहा है। आलम यह है कि बाघ अगर पानी पीने निकलता है, तो उसे दर्जनों डीजल इंजनों के धुएं और कैमरों की क्लिक-क्लिक के बीच से गुजरना पड़ता है। बाघों के विश्राम स्थलों और जलस्रोतों के इतने करीब तक सडक़ों का जाल बिछा दिया गया है कि वाहन बाघों के बमुश्किल दो मीटर की दूरी पर खड़े कर दिए जाते हैं। सवाल यह उठता है कि नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी की गाइडलाइंस को ताक पर रखकर पार्क प्रबंधन क्या केवल 'पर्यटन राजस्व' की गिनती कर रहा है।

जंगल या चिड़ियाघर

बांधवगढ़ की पहचान उसके स्वच्छंद विचरण करने वाले बाघों से थी, लेकिन अब यह किसी तमाशबीन चिड़ियाघर में तब्दील होता जा रहा है। जंगल के भीतर वाहनों की ऐसी कतारें लग रही हैं जैसे किसी महानगर का चौराहा हो। गाइड और ड्राइवरों पर पर्यटकों को साइटिंग कराने का ऐसा दबाव होता है कि वे बाघ को घेर लेते हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि 24 घंटे इंसानी निगरानी में रहने के कारण बाघों के स्वभाव में अस्वाभाविक आक्रामकता आ रही है। बाघ एक एकांतप्रिय जीव है। अगर उसे उसके घर में ही घेर लिया जाएगा, तो वह तनाव में आकर इंसानों पर हमला करेगा। आज का पर्यटन कल के मानव-वन्यजीव संघर्ष की पटकथा लिख रहा है।

जागरूक पर्यटकों ने ही खोला मोर्चा

हैरानी की बात यह है कि अब खुद सैलानी ही इस अव्यवस्था से दुखी हैं। जागरूक प्रकृति प्रेमियों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि संवेदनशील वॉटर पॉइंट्स और बाघों के मुख्य ठिकानों से कम से कम 50 से 100 मीटर की दूरी पर बैरिकेडिंग की जाए। सडक़ों के अलाइनमेंट को तत्काल बदलने की जरूरत है ताकि बाघ बिना किसी भय के अपनी प्यास बुझा सकें। क्या पार्क प्रबंधन इन सुझावों पर गौर करेगा, या फिर 'खास मेहमानों' को खुश करने का सिलसिला यूं ही जारी रहेगा?

सत्ता और रसूख के आगे बेबस नियम

अक्सर देखा गया है कि वीआईपी मूवमेंट और रसूखदार पर्यटकों के दबाव में पार्क के नियम हवा हो जाते हैं। स्थानीय जानकारों का कहना है कि अगर कोई आम पर्यटक नियम तोड़े तो जुर्माना लग जाता है, लेकिन जब रसूखदारों की जिप्सियां बाघ के चेहरे तक पहुंच जाती हैं, तो वन अमला मूकदर्शक बना रहता है।

वक्त हाथ से निकल न जाए!

बांधवगढ़ केवल मध्य प्रदेश का नक्शा नहीं, बल्कि जैव-विविधता का फेफड़ा है। अगर आज इन बेजुबानों की चीख नहीं सुनी गई, तो वह दिन दूर नहीं जब सैलानियों की इस भीड़ के कारण बाघ यहां से पलायन कर जाएंगे या खत्म हो जाएंगे। यदि पार्क प्रबंधन ने सख्त कदम नहीं उठाए और पर्यटन पर लगाम नहीं कसी, तो बांधवगढ़ की यह 'विरासत' केवल पुरानी तस्वीरों और किताबों का हिस्सा बनकर रह जाएगी। बाघों को उनका एकांत लौटाना ही सच्ची वन्यजीव सेवा होगी, न कि उनके इर्द-गिर्द गाडिय़ों का मेला लगाना।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई या सेटिंग, अमरपुर चौकी पर उठे गंभीर सवाल

उमरिया।

मानपुर सुखदाश और पड़वार के बीच अवैध रेत परिवहन करते एक नीले रंग का सोनालिका ट्रैक्टर अमरपुर चौकी पुलिस द्वारा आज पकड़ा गया। ट्रैक्टर को विधिवत कार्रवाई के लिए चौकी परिसर में लाकर करीब 5 घंटे तक खड़ा रखा गया, लेकिन यहीं से कहानी संदिग्ध हो जाती है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि उक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को कथित रूप से ले-देकर छोड़ दिया गया। सबसे अहम सवाल—अगर वाहन के पास वैध रॉयल्टी थी, तो उसे नदी से पकडक़र चौकी तक क्यों लाया गया और अगर रॉयल्टी नहीं थी, तो बिना वैधानिक कार्रवाई के उसे छोड़ा कैसे गया? सूत्र यह भी बताते हैं कि यह ट्रैक्टर सुखदास निवासी भीम जायसवाल का है, जिन पर लंबे समय से अवैध रेत परिवहन के आरोप लगते रहे हैं। बताया जाता है कि उनके खिलाफ अवैध रेत उत्खनन के कई मामले दर्ज हैं। कुछ दिन पहले ही वन भूमि से रेत उत्खनन करते हुए वन विभाग की टीम ने उन्हें पकड़ा था, जहां कथित रूप से वे वनकर्मियों के साथ विवाद और झगड़े की स्थिति तक उतर आए थे। यदि ये आरोप सही हैं, तो यह मामला और गंभीर हो जाता है, क्योंकि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि कानून के लगातार उल्लंघन और कार्रवाई के बावजूद बेखौफ रवैये की तस्वीर पेश करता है। यह पूरा घटनाक्रम प्रशासनिक सख्ती पर सवाल खड़ा करता है। क्या कार्रवाई सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई है? क्या प्रभाव और दबाव के आगे नियम झुक रहे हैं? स्थानीय लोगों में आक्रोश है और वे जवाब मांग रहे हैं, आखिर किसके संरक्षण में अवैध खनन का यह खेल जारी है? अब निगाहें जिम्मेदार अधिकारियों पर हैं, क्या इस बार सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई होगी, या फिर एक और मामला चुपचाप दबा दिया जाएगा।

आज संत शिरोमणि सेन जी महाराज की झांकी के साथ रैली व स्थानीय कार्यक्रम

कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु एस डी एम बाँधवगढ़ अधिकृत

उमरिया। भारतीय सेन समाज द्वारा 13 एवं 14 अप्रैल को ताला में संत शिरोमणि सेन जी महाराज के पूजन एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजन एवं नगरीय क्षेत्र उमरिया में सेन जी महाराज की झांकी, नगर भ्रमण सामुदायिक भवन एवं मंगल भवन से स्थानीय कार्यक्रम कराये जाने की सूचना प्रदान की गयी है। भारतीय सेन समाज उमरिया द्वारा संत शिरोमणि सेन जी महाराज की झांकी के साथ रैली व स्थानीय कार्यक्रम 13 अप्रैल 2026 को नगरीय क्षेत्र उमरिया सामुदायिक भवन एवं मंगल भवन परिसर में सम्पन्न किया जावेगा। कार्यक्रम के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु अंबिकेश प्रताप सिंह, अनुविभागीय दण्डाधिकारी बांधवगढ़ को अधिकृत किया गया है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी बांधवगढ कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तथा अपने स्तर से सहयोग हेतु अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाया जाकर कार्यक्रम सम्पन्न कराये जाने हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी रहेंगें।

जल जीवन का आधार है, संरक्षण व शुद्धता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जल जीवन का आधार है, और इसके संरक्षण व शुद्धता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान "जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम" का आयोजन किया गया विकासखंड कोतमा की नामांकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति के द्वारा केवई नदी में किया गया इसका उद्देश्य ऐसी कार्यक्रमों में जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। इस कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बैहाटोला, कटकोना, पथरौंडी के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे केवई नदी को स्वच्छ एवं अविरल बहने के लिए उसमें पड़ी गंदगी पानी कपड़ा नारियल के झूठ बोरी को उठाकर बाहर फेंका गया तथा लोगों को प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में ओंकार सिंह, महेंद्र यादव, निर्मल सिंह, प्रदीप सिंह, कासिया तिवारी, उमा केवट, राजकुमार सिंह, प्रतिमा साहू, रमेश कुमार अगरिया, जगत प्रसाद केवट, सरवन सिंह, नेम सिंह, अनुराग सिंह, प्रिंस सिंह, कुसुम बाई की भूमिका रही।

पेड़ के नीचे लगी किसानों की पाठशाला

लाभकारी खेती के लिए किया गया जा रहा जागरूक

उमरिया। जिले में किसानों को खेती को लाभ का धंधा बनाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी कड़ी में ग्राम हथपुरा में पेड़ के नीचे किसानों की पाठशाला लगाई गई।उपसंचालक कृषि विभाग संग्राम सिंह मरावी ने दल-बल के साथ गांव पहुंचकर किसानों के बीच बैठक कर उन्हें आधुनिक खेती के तरीकों और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की जानकारी दी। इस दौरान किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ जंगलों और प्राकृतिक संपदा से मिलने वाले फल, पत्तियां और अन्य उत्पादों को एकत्रित कर उनका उचित विक्रय कर अतिरिक्त आय अर्जित करने के बारे मे बताया गया। अधिकारियों ने किसानों को आय बढ़ाने के वैकल्पिक साधनों के बारे में भी विस्तार से समझाया। पाठशाला मे किसानों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनका कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा गंभीरता से निराकरण किया गया। किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और बाजार से जुडऩे के तरीकों पर भी मार्गदर्शन दिया गया इसके साथ ही उपसंचालक कृषि विभाग ने किसानों से अपील की कि गेहूं की कटाई के बाद खेतों में पराली न जलाएं पराली को खाद के रूप में उपयोग करने के तरीके भी बताए गए, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाई जा सके और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल सके।इस अवसर पर कृषि विभाग के कर्मचारी एवं भारी संख्या में महिला व पुरुष किसान उपस्थित रहे।

नपा और राजस्व महकमा उदासीन, अस्तित्व पर संकट

अतिक्रमण लील रहा तालाबों का रकबा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर नगर पालिका का रवैया उदासीन ही रहा है। नगर के प्राइम लोकेशन में होने के बाद भी तालाबों का कायाकल्प नहीं हो पा रहा है। नतीजा धीरे-धीरे अब यह अपनी पहचान खो रहे हैं। कुछ अतिक्रमण की जद में आकर अपना अस्तित्व ही खो चुके हैं। मुर्गी बाजार स्थित रेलवे तालाब का भी अस्तित्व लगभग समाप्त होने की कगार पर है। बस स्टैंड के आगे मवेशी बाजार के पास तालाब की जमीन में खरीद फरोख्त हो गई जिसके कारण अब वह तालाब भी अपना अस्तित्व खोने की दहलीज पर है। नगर में मवेशी व अन्य जीवों की प्यास बुझाने का आसान स्रोत रहे तालाबों का पानी धीरे-धीरे सूखता जा रहा है। जीर्ण शीर्ण हालात, कचरे का अंबार व अतिक्रमण के चलते इनकी हालात बदलहाल हो चुकी है।

घट रहा रकबा

नगर में तालाब ही जानवरों की प्यास बुझाने का एकमात्र साधन है, पर संरक्षण के अभाव में मलबा अटा पड़ा है। नगरीय क्षेत्र में स्थित दर्जन भर ऐतिहासिक तालाब के पुनरुद्धार के लिए जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ताओं से सहयोग तो लिया गया लेकिन मैदानी स्तर पर प्रशासनिक असफलता साफ दिखाई दे रही है। न तो नगर पालिका न ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा उनके संरक्षण के लिए कोई प्रयास किए गए। तालाबों का रकबा भी दिनों दिन घटता जा रहा है जिसको लेकर नपा का रवैया उदासीन रहा है।

सफाई भी नहीं हुई

नगर के वार्ड क्रमांक 4 निगवानी रोड में बने केरहा डैम मे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा घाट का निर्माण करवाया गया था। जिससे आसपास के रहवासियों को सुविधा मिल सके। जिसका उपयोग आसपास के लोग नहाने एवं अन्य कार्य में तालाब के पानी का उपयोग रोजाना करते हैं। वर्तमान में तालाब की सफाई नहीं होने के कारण तालाब कचरे से भरा पड़ा है, और इस गंदगी के बीच गरीब तबके के लोग तालाब के पानी का उपयोग करते एवं नहाते हैं वर्तमान मे पानी पूरी तरह सूख गया है लेकिन सफाई की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नगर पालिका को तालाब की साफ सफाई का ध्यान ही नहीं है जिसके कारण तालाब के आसपास एवं तालाब में गंदगी भरी पड़ी है।

अतिक्रमण बन रहा काल

नगर के वार्ड क्रमांक 4 बस स्टैंड के आगे मवेशी बाजार के पास तालाब की स्थिति यह है कि धीरे-धीरे तालाब का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है। वर्तमान में लोगों के द्वारा भवन निर्माण करवाया गया है लेकिन तालाब की मेढ को भी लोगों ने नहीं छोड़ा और मेढ के ऊपर ही आलीशान भवन का निर्माण करवा दिया गया यहां तक की मेढ को तोड़कर तालाब तक अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया है। जबकि कई बार स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन को अवगत भी कराया लेकिन नगर पालिका के द्वारा तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जा रहा है।

बजट का रहता रोना

एक तरफ नगर को चकाचक करने के लिए योजनाएं बनाई जा रही है। कांक्रीट का जंगल भी खड़ा किया जा रहा है, जबकि प्राकृतिक जल स्रोतों को लेकर नपा के द्वारा बजट का रोना रोया जाता रहा है। नगर के जलस्तर को बनाए रखने में इन तालाबों का विशेष योगदान रहता था। जबकि वर्तमान में स्थिति यह है कि अधिकांश तालाबों का समतलीकरण करने का प्रयास किया जा रहा है जिसे रोक पाने में नपा अक्षम साबित हो रही है।

फुटपाथ और सर्विस रोड पर दो पहिया वाहनों की पार्किंग के कारण पैदल चलना मुश्किल

पिकअप वाहन मालिक के द्वारा बना लिया गया परमानेंट पार्किंग

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के केशवाही चौक से बस स्टैंड के बीच मॉडल रोड पर पार्किंग में मनमानी से नागरिकों की परेशानी बढ़ा रही है। मुख मार्ग पर 10 से ज्यादा स्थान ऐसे हैं जहां चार पहिया वाहनों की पार्किंग के कारण नागरिकों की सामान्य आवाजाही प्रभावित हो रही है। मुख मार्ग के अलावा फुटपाथ और सर्विस रोड पर दो पहिया वाहनों की पार्किंग के कारण पैदल चलना मुश्किल हो जा रहा है। शासन द्वारा लगभग दस करोड़ करोड़ रुपए खर्च कर माडल रोड का निर्माण आवागमन के लिहाज से माडल सडक के रूप मे करवाया गया था। नागरिकों ने बताया कि नगर पालिका एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी कर्मचारियों की बेपरवाही के कारण माडल रोड पर बेहतर आवागमन तो दूर सुबह से लेकर देर शाम तक प्रतिदिन जाम लगना अब आम बात हो गई है। नागरिकों का कहना है कि माडल रोड का निर्माण ही इसलिए किया गया था कि नागरिकों को आवागमन मे बेहतर सुविधा मिल सके। वर्तमान हालात यह है केशवाही चौक से बस स्टैंड के बीच कई ऐसे स्थान हैं जहां मोटर गैरेज वालो के द्वारा सड़क पर ही वाहनों को खड़ा करते हुए रिपेयरिंग का कार्य किया जाता है इतना ही नही आटो एवं मोटर पार्ट्स दुकानदारों के द्वारा सड़क पर ही दो पहिया वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है साथ ही गहोई मिल के सामने पिकअप वाहन मालिक के द्वारा परमानेंट पार्किंग बना लिया गया है। यही हाल मुखर्जी चौक से केरहा नाला के बीच का है जहां गैरेज संचालक के द्वारा सड़क के दोनों ओर कार को लाइन से प्रतिदिन खडा किया जा रहा है। और तो और माडल सडक मे ही खराब वाहनों को मोड मे ही खडा कर दिया गया है जिसके कारण हर समय दुघर्टना की आशंका बनी रहती है। जहां तक मनमानी पार्किंग की है तो नगर पालिका को अभियान चलाकर यातायात पुलिस की मदद लेते हुए कार्यवाही करवानी चाहिए।

गोंडी चित्रकला की वैश्विक पहचान, चांदनी उर्वेति की कला से बढ़ा क्षेत्र का मान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पारंपरिक आदिवासी कला गोंडी चित्रकला अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक अपनी अलग पहचान बना रही है। अमरकंटक निवासी आदिवासी प्रधान समुदाय से जुड़ी कलाकार चांदनी उर्वेति पिछले लगभग 20 वर्षों से अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मकता के माध्यम से इस कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में जुटी हैं। चांदनी उर्वेति ने वर्ष 2005 से पेंटिंग की शुरुआत की थी। शुरुआती दौर में सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी कला को निरंतर निखारा और आज उनकी बनाई प्रधान गोंड पेंटिंग देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित प्रदर्शनियों के माध्यम से लोगों तक पहुंच रही है। कई स्थानों पर उनके स्टॉल भी लगाए जाते हैं, जहां कला प्रेमी उनकी चित्रकला को काफी सराहते हैं। उनकी कुछ पेंटिंग विदेशों तक भी पहुंच चुकी हैं, जो क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी इस यात्रा में उनके पति राजेंद्र कुमार उर्वेति का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। दोनों मिलकर अपनी चित्रकला के माध्यम से आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और मान्यताओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी गोंड पेंटिंग में देवी-देवताओं, प्रकृति, जीव-जंतुओं तथा प्राचीन और आधुनिक कहानियों का सुंदर समावेश देखने को मिलता है। हर पेंटिंग अपने आप में एक कहानी कहती है, जो आदिवासी जीवन शैली और प्रकृति के प्रति जुड़ाव को दर्शाती है। अपनी अद्भुत कलाकारी, निरंतर अभ्यास और मेहनत के बल पर चांदनी उर्वेति लगातार एक नई पहचान बना रही हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि प्रतिभा को सही दिशा और अवसर मिले तो स्थानीय कला भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकती है। आज वे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर पारंपरिक कला को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय अमरकंटक में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

117 मरीजों ने लिया लाभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। कल्याण सेवा आश्रम द्वारा संचालित चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में प्रत्येक रविवार की भांति इस सप्ताह भी निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस जनकल्याणकारी पहल के अंतर्गत दूर-दराज से आए जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क परामर्श एवं उपचार की सुविधा प्रदान की गई। आश्रम प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रत्येक रविवार को विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा शिविर आयोजित किया जाता है, जिससे क्षेत्र के गरीब एवं असहाय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सहज रूप से मिल सके। इस क्रम में आज आयोजित शिविर में कुल 117 मरीजों का पंजीयन किया गया, जिन्हें चिकित्सकीय जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में मरीजों की शुगर (मधुमेह) एवं ब्लड प्रेशर (रक्तचाप) की जांच भी निःशुल्क की गई, जिससे लोगों को अपने स्वास्थ्य की सही जानकारी प्राप्त हो सके। साथ ही, कल्याण सेवा आश्रम की ओर से सभी मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन की भी व्यवस्था की गई, जिससे दूर-दराज से आए मरीजों को विशेष सुविधा प्राप्त हुई। इस अवसर पर अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले प्रमुख चिकित्सक एवं सहयोगी इस प्रकार रहे। डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. सुधीर धर, डॉ. शकुंतला लाहिड़ी, डॉ. एसके तिवारी ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया। वहीं फार्मासिस्ट आदर्श विश्वकर्मा द्वारा दवाइयों का वितरण किया गया। सहयोगी टीम में राजेश कुमार तिवारी, सुखनंदन सिंह, श्रीमती ईश्वरी पंडराम, रामसनेही नापित, दीपक चंद्रवंशी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए शिविर को सफल बनाया। श्री कल्याण सेवा आश्रम द्वारा संचालित यह सेवा कार्य क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने एवं जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकार के नियमित निःशुल्क चिकित्सा शिविर के आयोजन के लिए आश्रम प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अवैध रेत चोरी कर परिवहन करते पाए जाने पर बिजुरी पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। 12 अप्रैल को ग्राम बैहाटोला में बैहाटोला केवई नदी घाट में घेराबंदी कर एक नीले सफेद रंग का स्वराज कंपनी का ट्रेक्टर क्र0 एमपी 65 जेडबी 2679 के ट्रेक्टर से अवैध रेत खनिज उत्खनन कर परिवहन करने पर रेड कार्यवाही करते हुए उक्त ट्रेक्टर ट्राली को जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया तथा आरोपी चालक ओमप्रकाश साहू पिता दयाराम साहू निवासी कटकोना थाना बिजुरी के विरुद्ध अपराध क्र. 132/2026 धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधिनियम, का पंजीबद्ध कर अनुसंधान किया जा रहा है। उक्त रेड कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरी विकास सिंह, सउनि प्रभाकर पटेल, आर. रवि सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

खबर संक्षेप

रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

बरही। रेत का अवैध रूप से परिवहन करने पर खितौली पुलिस ने ट्रेक्टर ट्राली को जब्त किया है।खितौली पुलिस द्वारा अवैध रेत का परिवहन की सूचना पर ग्राम सलैया सिहोरा में दबिश दी। सलैया सिहोरा मेन रोड पर एक रेत से भरा हुआ बिना नंबर का ट्रैक्टर मिला। ड्राइवर पुलिस को देखकर भाग गया, ट्रैक्टर ट्राली समेत अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर समक्ष गवाहों के कब्जे में लेकर ट्रैक्टर ट्राली जप्त की गई तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर ट्राली को सुरक्षित चौकी परिसर में खड़ा कराया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार चौबे चौकी खितौली प्रभारी ऋषभ सिंह बघेल , प्र. आर सीताराम वर्मा ,आरक्षक अंकित बड़गैया की भूमिका रही।

विधायक ने चिन्हित भूमि का किया निरीक्षण

सिलौंडी। जनपद पंचायत का पुराना भवन जर्जर हालत को लेकर जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता दुबे की लगातार प्रयासों और बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह विकास के प्रति सक्रियता के साथ मुख्यमंत्री से चर्चा कर तुरंत नवीन भवन की अनुशंसा पर जनपद पंचायत नवीन भवन हेतु 5 करोड़ स्वीकृत हुआ। बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने अधिकारी कर्मचारी के साथ नवीन भवन की चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया और अधिकारी कर्मचारी को आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता संतोष दुबे, एसडीएम निधि गोयल, जनपद पंचायत सीईओ युजुवेंद्र कोरी, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी, सोनू गौतम, योगेंद्र सिंह ठाकुर, अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस बैंड की धुनों से युवाओं को किया जागरूक

कटनी। पुलिस भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत छठवीं वाहिनी जबलपुर के पुलिस बैंड दल ने शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर भ्रमण कर लोगों को भर्ती संबंधी जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान मिशन चौक में आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जहां पुलिस बैंड की मधुर धुनों ने नागरिकों और युवाओं का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने युवाओं को पुलिस विभाग में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हुए भर्ती प्रक्रिया, पात्रता, शारीरिक मापदंड और आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। अभियान में बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों की सहभागिता रही। पुलिस विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक योग्य एवं इच्छुक युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे देश सेवा के अवसर का लाभ उठा सकें।पुलिस प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे भर्ती से संबंधित आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखें और निर्धारित समय अवधि में अवसर का लाभ उठाएं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 248 रोगी हुये लाभान्वित

कटनी। विश्व होम्योपैथी दिवस हैनीमैन जयंती के अवसर पर जिले की 3 होम्योपैथी संस्थाओं जिला आयुष विंग, आयुष्मान आरोग्य मंदिर कछगवां जोबा एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुरवारी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले के विशेषज्ञ होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा बदलते मौसम से संबंधित रोगों की जांच, उत्तम स्वास्थ्य हेतु आहार विहार, मौसमी बदलाव से होने वाले रोगों के उपचार, बीपी, शुगर की जांच, आमवात, संधिवात आदि रोगों का निःशुल्क ईलाज एवं होम्योपैथिक औषधियां वितरित की गई। शिविर में कुल 248 रोगियों ने लाभ प्राप्त किया।

पुरानी पेंशन और निजीकरण के खिलाफ आर-पार की जंगः एनएफआईआर प्रेस सचिव ए.के. मलिक का आत्मीय स्वागत

शहडोल।अनूपपुर।

नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (NFIR) की बिलासपुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न कर दिल्ली लौट रहे एनएफआईआर के राष्ट्रीय प्रेस सचिव एवं उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन (URMU) के जोनल अध्यक्ष ए.के. मलिक का विभिन्न स्टेशनों पर जोरदार स्वागत किया गया।

स्टेशनों पर उमड़ा उत्साह

रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल अध्यक्ष डी.के. स्वाइन, जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव और मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में पदाधिकारियों ने श्री मलिक का अभिनंदन किया।पेंड्रारोडः शाखा सचिव एन. हेमंत कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।,अनूपपुरः शाखा सचिव जयंतो दासगुप्ता के नेतृत्व में भव्य अगवानी की गई।,शहडोलः शाखा सचिव बालकृष्ण बंगारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यकारिणी बैठक के मुख्य निर्णय

स्वागत से गदगद श्री मलिक ने सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और बिलासपुर बैठक में पारित हुए महत्वपूर्ण प्रस्तावों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संगठन आगामी दिनों में निम्नलिखित मुद्दों पर निर्णायक संघर्ष करेगाःपुरानी पेंशन स्कीम (OPS): ओपीएस की बहाली के लिए चरणबद्ध तरीके से आंदोलन को तेज करना।, निजीकरण का विरोधः रेलवे के निजीकरण के किसी भी प्रयास का घोर विरोध करना।, महिला सुरक्षाः कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना।,युवा नेतृत्वः युवा रेल कर्मचारियों में नेतृत्व क्षमता (Leadership Quality) विकसित करने के लिए विशेष कार्यक्रम।,मीडिया सेल का विस्तारः सभी 17 रेल जोनों में एनएफआईआर जोनल मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी। इन प्रभारियों को नई दिल्ली मुख्यालय में विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि संगठन की बात प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंच सके।

इनका कहना

"संगठन अब युवाओं और तकनीक के साथ मिलकर रेल कर्मचारियों के हकों की लड़ाई को और मजबूती से लड़ेगा।"

ए.के. मलिक
राष्ट्रीय प्रेस सचिव, NFIR

सीएमओ अमानगंज ने किया कचरा वाहनों का सर्वे

अमानगंज। नगर परिषद प्रांगण अमानगंज में मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशि कपूर गढ़ पाली के द्वारा आज कचरा वाहनों का निरीक्षण किया गया।नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर , जिला पन्ना के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी शशिकपुर गड़पाले के निर्देशन में आज नगर परिषद अमानगंज में कचरा संग्रहण वाहनों का स्वच्छता ऑडिट एवं तकनीकी निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।इस दौरान कचरा संग्रहण में प्रयुक्त वाहनों की तकनीकी जांच की गई, जिसमें इंजन, ब्रेक, टायर, हाइड्रोलिक सिस्टम, धुलाई एवं समग्र सफाई की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया गया।निरीक्षण के अंतर्गत प्रत्येक वाहन हेतु स्वीकृत रूट चार्ट का सत्यापन कर उसे वाहन में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए तथा रूट से संबंधित डिजिटल एवं प्रिंटेड रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। साथ ही, सभी वाहनों में लगे पब्लिक एड्रेस (PA) सिस्टम की कार्यशीलता का परीक्षण किया गया, जिसके माध्यम से "गीला-सूखा कचरा पृथक दें" जैसे जनजागरूकता संदेशों का प्रसारण सुनिश्चित किया गया।इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सारिका खटिक ने सख्त निर्देश दिए कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, अन्यथा संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने नगरवासियों से भी सतत अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करें तथा कचरे का पृथक्करण कर नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में भागीदारी निभाएं।

कमिश्नर के आदेश का एक साल बाद भी पालन नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरही

कमिश्नर न्यायालय जबलपुर के आदेश का 1 साल बीतने के बाद भी जिला पंचायत ने पालन नही किया है, जिससे आदेश की फाइल जिला पंचायत सीईओ के आफिस में धूल खा रही। मामला बड़वारा विकासखंड के ग्राम पंचायत वनगवां अंतर्गत ग्राम खन्ना स्थित संदीप कालोनी और पंचमुखी कॉलोनी में कालोनाइजर द्वारा शासन के खाते में विकास कार्य के लिए 1 करोड़ रुपए से अधिक राशि जमा करने के बाद भी यहां सड़क, नाली निर्माण और प्रकाश व्यवस्था के लिए विद्युत पोल की व्यवस्था अब तक नही की गई, जबकि कमिश्नर जबलपुर के पारित आदेश पर उक्त दोनों कालोनियों की विकास राशि जिला पंचायत के खाते में जमा भी हो चुकी है।

एसडीएम विजयराघवगढ़ विकास गुप्ता को कालोनी के रहवासियों ने ज्ञापन सौपकर यहां विकास कार्य कराए जाने की मांग की है। वार्ड पंच अजय पांडेय के नेतृत्व में अधिवक्ता मनीष दुबे, संजीव उपाध्याय, सुखेन्द्र मिश्रा, अन्नू तिवारी आदि ने विजयराघवगढ़ एसडीएम को इस मामले में त्वरित कार्यवाई करने की मांग की है। कमिश्नर न्यायालय जबलपुर संभाग से 1 वर्ष पूर्व 26 मार्च 2025 को इस आदेश पारित हुआ था, जिसमे विकास कार्यो के लिए निर्धारित राशि का 30 फीसदी जमा के तत्काल बाद विकास कार्य प्रारंभ के निर्देश जिला पंचायत कटनी को दिए गए थे। दोनों कालोनाइजर द्वारा 6 माह पूर्व विकास कार्य की सम्पूर्ण निर्धारित राशि जिला पंचायत में जमा करा दी गई, वाबजूद इसके अभी तक कोई पहल नही की गई। संदीप कालोनी में 4 सीसी सड़क 1210 मीटर की लागत राशि 38 लाख 72 हजार, 8 सीसी नाली निर्माण 2370 मीटर लागत राशि 16 लाख 6 हजार और विद्युत पोल 30 नग हाइड्रोजन लाईट, केबिल लाईन एवं ट्रांसफार्मर सहित लागत राशि 12 लाख 98 हजार कुल राशि 67 लाख 76 हजार रुपए की निर्धारित राशि कालोनाइजर संदीप अग्रवाल द्वारा जमा की जा चुकी है।पंचमुखी कालोनी के लिए 32. 95611 लाखपंचमुखी कालोनी में विकास कार्यो के लिए 32 लाख 95 हजार 611 रुपए की निर्धारित राशि से यहां 4 सीसी रोड 622 मीटर लागत 18.80 लाख, 4 सीसी नाली निर्माण 1244 मीटर लागत राशि 8.44 लाख, विद्युत पोल 18 नग मय हैलोजन, केबिल एवं ट्रांसफार्मर सहित 5.71611 लाख की राशि जमा हो चुकी है।

गौरतलब है कि बरही संदीप कालोनी, पंचमुखी कालोनी क्षेत्र में ही तहसील न्यायलय, थाना, मंडी, कालेज, व्यवहार न्यायालय सहित अन्य सरकारी विभाग संचालित है।

लैंगिक समानता की ब्रांड एंबेसडर से मिली सरपंच काजल

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान की थीम महिला एवं बालिका हितैषी पंचायत तेवरी जनपद पंचायत बहोरीबंद की युवा सरपंच सुश्री काजल रजक ने गत दिवस भोपाल में लैंगिक समानता की ब्रांड एंबेसडर एवं हिंदी फिल्मों की मशहूर अदाकारा कृति सेनन से भेंट कर अपने विचार साझा किए। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा जिले में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की पहल किए गए जाने के फलस्वरुप ऐसा होना संभव हुआ जब कटनी की युवा जनप्रतिनिधि कृति सेनन से रूबरू होकर अपनी बात रख सकीं। लैंगिक समानता की ब्रांड एंबेसडर एवं मशहूर अदाकारा कृति सेनन द्वारा भोपाल का दौरा करने का उद्देश्य भारत सरकार विजिलेंस राज मंत्रालय द्वारा सबसे पहले 'महिला एवं बालिका हितैषी पंचायत' (महिला एवं बालिका हितैषी पंचायत) के बारे में चर्चा और संवाद करना था। यूएनएफपीए (यूएनएफपीए), पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के ज्ञान भागीदार (नॉलेज पार्टनर) के रूप में मध्यप्रदेश के 83 ग्रामों के प्रोजेक्ट में इस पहल को लागू किया जा रहा है। कृति सैनन ने सरपंचों के साथ चर्चा की और सफलता की कहानियां सुनी। यूएनएफपीए की लिंग सहायक राजदूत कृति सैनन ने मध्यप्रदेश में 'महिला एवं बालिका हितैषी पंचायत' की शुरुआत की। यूएनएफपीए के सहयोग से पहले 83 ग्रामों की लड़कियों और महिलाओं को नशामुक्त बनाने के लिए काम कर रहा है।

सख्त हुए पुलिस कप्तान, 10 अधिकारी, कर्मचारियों पर की दंडात्मक कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस कप्तान अभिनय विश्वकर्मा द्वारा कर्तव्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के मामलों की समीक्षा करते हुए 10 अधिकारियों, कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की गई।

विभागीय जांच में दोषी पाए गए प्रधान आरक्षक, आरक्षक वर्ग के कर्मचारियों की एक वेतन वृद्धि (असंचयी प्रभाव से) रोक दी गई। बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले एक थाना अधिकारी पर भी यही कार्रवाई की गई। न्यायालयीन प्रकरणों में विवेचना में देरी करने वाले दो उप-निरीक्षकों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। विभागीय जांच को लंबित रखने पर एक सूबेदार, लाइन अधिकारी पर भी 5 हजार का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

विभागीय जांच प्रस्तावित

एक उप-निरीक्षक द्वारा नाबालिग बालिका के मामले में थाना प्रभारी के निर्देशों की अवहेलना, वैधानिक कार्रवाई में देरी और वरिष्ठ अधिकारी से अमर्यादित व्यवहार करने पर कड़ा रुख अपनाते हुए एक माह के वेतन का 50% काटने का दंड दिया गया। शासकीय गोपनीयता भंग करने वाले एक उप-निरीक्षक के विरुद्ध विभागीय जांच प्रस्तावित की गई है। जांच लंबित रखने वाले चौकी प्रभारी एवं विशेष ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले प्रधान आरक्षकों की सर्विस बुक में निंदा प्रविष्टि दर्ज की गई।

कंट्रोल रूम के समापन पर पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि विभाग में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कोताही पर कार्यवाही तय

एसपी ने स्पष्ट शब्दों में आगाह करते हुए कहा की आम जनता से जुड़े मामलों का समयसीमा में निराकरण करें। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का अक्षरशः पालन करें। कर्तव्यों के प्रति सजग रहें, अन्यथा और कठोर कार्रवाई (निलंबन/सेवा समाप्ति) की जाएगी। जनता की सेवा और कानून का शासन स्थापित करना है, इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता अक्षम्य है।

निगम आयुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण के कार्यों की समीक्षा कर दिये निर्देश

निर्धारित पैरामीटर के साथ जिम्मेदारी से करें कार्य, कोताही नहीं बरतने हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारू बनाने के उद्देश्य से रोजाना किए जा रहे प्रयासों एवं गतिविधियों की शुक्रवार शाम निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा समीक्षा की जाकर नोडल अधिकारियों एवं एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

निगमायुक्त सुश्री परिहार द्वारा समीक्षा बैठक के दौरान वार्डवार नियुक्त नोडल अधिकारियों से वार्ड स्तर पर संचालित स्वच्छता गतिविधियों एवं सफाई कार्यों का फीडबैक लिया गया।बैठक में निगमायुक्त द्वारा प्रत्येक वार्ड की साफ-सफाई, कचरा संग्रहण, डोर-टू-डोर कलेक्शन, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। नोडल अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति से अवगत कराते हुए कार्यों में आ रही समस्याओं एवं सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी-कर्मचारी स्वच्छ सर्वेक्षण के निर्धारित पैरामीटर्स के अनुरूप पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए, इसके लिए अधिकारी कर्मचारी समय पर अपने दायित्वों में उपस्थित होकर नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करें।

निगमायुक्त ने बैठक के दौरान कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली स्वच्छता संबंधी शिकायतों पर तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन शिकायतों का त्वरित निराकरण नहीं किया जा सकता उनका निराकरण अनिवार्य रूप से दो दिवस के भीतर कराना सुनिश्चित करें। निगमायुक्त ने नोडल अधिकारियों को रोजाना वार्ड की एक गली का भ्रमण कर उसकी सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। वही प्राप्त कमियों की रोजाना रिपोर्टिंग करने, सेग्रीगेशन हेतु रोजाना 10 घरों से संपर्क कर गीला सूखा कचरा अलग अलग देने, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने, डेयरी संचालकों को नोटिस जारी करने व्हाट्सएप ग्रुप में प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को जोड़ने सहित सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने के संबंध में कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए।

स्वच्छता एक दिन का कार्य नहीं बल्कि रोजाना की जिम्मेदारी है

महापौर ने जनसहभागिता से मंदिर परिसर में सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्वच्छ कटनी के संकल्प को साकार करने की दिशा में शनिवार को विवेकानंद वार्ड स्थित खेरमाई मंदिर प्रांगण में वृहद स्वच्छता अभियान का सफल एवं प्रभावी आयोजन किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान ने न केवल सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश भी दिया।

अभियान में मेयर इन काउंसिल सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद सुरेंद्र गुप्ता, पूर्व महापौर डी.डी बैनर्जी,पार्षद शकुंतला सोनी,सीमा श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, क्षेत्रीय स्वच्छता प्रभारी दीपक अग्निहोत्री,निगम के अन्य कर्मचारी, आईईसी टीम एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर मंदिर परिसर, आसपास के मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर स्वच्छता का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस दौरान झाड़ लगाया जाकर कचरा संग्रहण एवं पानी से धुलाई जैसे कार्य प्राथमिकता के साथ किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में स्वच्छता का सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ। महापौर श्रीमती सूरी ने अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हम सभी की निरंतर जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प ले, तो पूरा शहर स्वतः ही स्वच्छ और सुंदर बन सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्रित करें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और नगर निगम द्वारा संचालित व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करें।

इस अवसर पर महापौर द्वारा वार्ड के सभी नागरिकों को माला पहनाकर सम्मानित भी किया गया, जिन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। यह सम्मान उनके योगदान एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सहभागिता के प्रतीक स्वरूप प्रदान किया गया।

अभियान के दौरान नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए यह भी बताया गया कि स्वच्छ वातावरण न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अनिवार्य है।

महापौर ने कहा स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न वार्डों में आगे भी इस प्रकार के अभियान लगातार आयोजित किए जाएंगे। साथ ही सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शहर के प्रत्येक क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे और नागरिकों को बेहतर वातावरण प्राप्त हो।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया।

फूलों की खेती का किया शैक्षणिक भ्रमण, निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित अतिरिक्त कक्षाओं एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के तहत छात्र-छात्राओं को ग्राम इमलिया में फूलों की खेती का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान स्थानीय किसान मस्तराम हल्दकार ने विद्यार्थियों को फूलों की उन्नत खेती, उत्पादन तकनीक और उससे होने वाले आर्थिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी। मप्र जन अभियान परिषद ढीमरखेड़ा की विकासखंड समन्वयक बबीता शाह ने छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि शैक्षणिक भ्रमण, असाइनमेंट एवं प्रयोगशाला ग्राम में किस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से गतिविधियों का संचालन किया जाए। इसी क्रम में प्रयास सेवा संगठन इमलिया के तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत गांव में जल संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता रैली निकाली गई।

प्रतिबंध का आदेश दरकिनार, नरवाई में लगाई जा रही आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

गेंहू की कटाई का कार्य चल रहा है जो समाप्ति की ओर है। साथ ही ग्रीष्मकालीन सीजन के कृषि कार्य की तैयारियां भी कृषको के द्वारा शुरू कर दी गई है।खेतो को तैयार करने कृषक खेतो में फसल काटने के बाद खेत में आग लगाकर नरवाई जला रहे है जिससे पर्यावरण प्रदूषण व मिट्टी की उर्वरा शक्ति खराब हो रही है। जबकि गत दिवस जिले के अपर कलेक्टर के द्वारा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की उपधारा 30 के तहत नरवाई जलाने पर रोक लगाई गई थी। लेकिन बहोरीबंद विकासखण्ड के कृषक अपने खेतों में आग लगाकर ग्रीष्मकालीन मूंग व उड़द की बोवनी के लिए खेत जलाकर तैयार कर रहे हैं।गेंहू कटाई-मिसाई कार्य होने के बाद यह क्रम जोरों से आरंभ हो गया है।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अमरकंटक में विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा को करेंगे संबोधित

हरिभूमि न्यूज हरिभूमि न्यूज

अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में आज 13 अप्रैल को सुबह 11 बजे नर्मदे हर सेवा न्यास के नए मुख्यालय में स्वर्गीय भगवत शरण माथुर की जयंती पर 'पंच परिवर्तन' विषय पर विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। स्वर्गीय भगवत शरण माथुर ने अनेक बार प्रचारक के रूप में सेवा की, रीवा संभाग में भाजपा के संभागीय संगठन मंत्री रहे। वे भाजपा मध्य प्रदेश के सह संगठन महामंत्री, प्रदेश महामंत्री (संगठन), भाजपा हरियाणा प्रांत एवं राष्ट्रीय भाजपा अनुसूचित जनजाति-अनुसूचित जाति सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रमुख रहे। साथ ही नर्मदे हर सेवा न्यास अमरकंटक के संस्थापक अध्यक्ष भी थे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे। विशेष अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल एवं शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह की उपस्थिति रहेगी। नर्मदे हर सेवा न्यास के अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल रौतेल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

रेलवे मजदूर कांग्रेस ने किया प्रथम महिला नवनिर्वाचित मेट्रो रेलवे की महामंत्री श्रीमति मंजुलिका मुखोपाध्याय का सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। एनएफआईआर राष्ट्रीय कार्यकारिणी महासभा में 10 अप्रैल को एनएफआईआर से सम्बंधित पूरे भारतीय रेल की प्रथम महिला नवनिर्वाचित मेट्रो रेलवे की महामंत्री श्रीमति मंजुलिका मुखोपाध्याय का सम्मान व स्वागत रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल अध्यक्ष डी के स्वाइन, जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री, कार्यकारी अध्यक्ष उप मंडल समन्वयक रविन्द्र रवि धल, रायपुर मंडल समन्वयक बीडी प्रसाद, नागपुर मंडल समन्वयक इंदल दमाहे, संयुक्त महामंत्री बी कृष्ण कुमार, उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन महिला विंग की महामंत्री श्रीमति उर्मिला डोंगरे, बिलासपुर रेलवे मजदूर कांग्रेस की महिला विंग की संयोजक श्रीमती वंदना मिश्रा ने शाल श्रीफल फुले के बुके सम्मानित किया। महिला रेलवे कांग्रेस की नेत्री श्रीमती वंदना मिश्रा ने बताया की यह हम महिलाओं के लिए गर्व की बात है की 17 रेल जोनों में एनएफआईआर से जुड़े रेल संगठन में श्रीमती मंजुलिका मुखोपाध्याय पहली महिला जो की मेट्रो रेलवे जोन की महामंत्री निर्वाचित हुई, भारतीय रेल की सभी महिलाओं की ओर से एनएफआईआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री डाक्टर एम राघवैया, रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के महामंत्री पीताम्बर लक्ष्मीनारायण का आभार व्यक्त करते है आप सभी ने महिला सशक्तिकरण के तहत अपने संगठन में महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

शिक्षा या शोषण? अनूपपुर में प्ले स्कूलों की फीस लूट से अभिभावक परेशान

अनूपपुर जिले में प्ले स्कूल और प्री-नर्सरी की बढ़ती फीस ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। तीन साल के बच्चों की पढ़ाई अब आर्थिक बोझ बनती जा रही है। एडमिशन से लेकर बस, ड्रेस और किताबों तक हर स्तर पर मोटी रकम वसूली जा रही है। मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों के लिए यह खर्च उठाना मुश्किल होता जा रहा है, जबकि प्रशासन की चुप्पी इस पूरे मामले को और गंभीर बना रही है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जहां अब प्ले स्कूल और प्री-नर्सरी शिक्षा सेवा कम और व्यवसाय ज्यादा बन चुकी है। छोटे बच्चों की पढ़ाई के नाम पर निजी स्कूल मोटी फीस वसूल रहे हैं, जिससे अभिभावकों की आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ रहा है। तीन साल के मासूम बच्चों के दाखिले के समय ही पंजीकरण, प्रवेश और ट्यूशन फीस के नाम पर हजारों रुपये लिए जा रहे हैं। इसके बाद बस सेवा, ड्रेस और किताबों के नाम पर अतिरिक्त खर्च का बोझ भी डाला जाता है। अभिभावक बेहतर भविष्य की उम्मीद में मजबूरीवश इन खर्चों को सहन कर रहे हैं। जिले में इस पूरे सिस्टम में पारदर्शिता की कमी साफ नजर आती है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या शिक्षा के नाम पर यह आर्थिक शोषण सही है? प्रशासन की निष्क्रियता इस समस्या को और बढ़ा रही है।

दाखिले के साथ ही 'फीस का झटका'

अनूपपुर जिले के निजी प्ले स्कूलों में दाखिला कराना अब अभिभावकों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। पंजीकरण, एडमिशन और ट्यूशन फीस के नाम पर शुरुआत में ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं। कई स्कूलों में सालाना फीस 20 हजार से 50 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। इसके अलावा बस सेवा के लिए अलग से मोटी रकम वसूली जाती है। यह खर्च उस उम्र के बच्चों के लिए लिया जा रहा है, जो अभी स्कूल की बुनियादी समझ भी विकसित कर रहे होते हैं। ऐसे में अभिभावकों को यह आर्थिक बोझ भारी पड़ रहा है।

ड्रेस और किताबों में कमीशन का खेल

अनूपपुर में कई निजी स्कूल अभिभावकों को तय दुकानों से ही ड्रेस और किताबें खरीदने के लिए बाध्य करते हैं। बाजार में सस्ती मिलने वाली सामग्री स्कूल के माध्यम से महंगी कीमतों पर बेची जाती है। इससे साफ होता है कि स्कूल प्रबंधन और दुकानदारों के बीच कमीशन का खेल चल रहा है। अभिभावक चाहकर भी दूसरी जगह से सामान नहीं खरीद पाते, क्योंकि स्कूल की सख्ती उन्हें मजबूर कर देती है। यह स्थिति शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी और निजी संस्थानों की मनमानी को दर्शाती है।

'पीयर प्रेशर' का मनोवैज्ञानिक दबाव

अनूपपुर जिले में भी अभिभावकों के बीच यह धारणा बन गई है कि महंगे स्कूल में पढ़ाने से ही बच्चों का भविष्य बेहतर होगा। इसी मानसिकता का फायदा निजी स्कूल उठा रहे हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और दिखावे की होड़ ने शिक्षा को प्रतिस्पर्धा में बदल दिया है। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं और इसी कारण अपनी क्षमता से अधिक खर्च करने को मजबूर हो जाते हैं। यह 'पीयर प्रेशर' शिक्षा को जरूरत से ज्यादा महंगा बना रहा है और अभिभावकों पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

अनूपपुर जिले में प्ले स्कूलों की फीस को लेकर कोई स्पष्ट नियम नजर नहीं आता। हर साल फीस में बढ़ोतरी के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही है। न तो फीस की अधिकतम सीमा तय की गई है और न ही स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लगाया जा रहा है। इससे अभिभावकों में असंतोष बढ़ रहा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब तक शिक्षा के नाम पर यह खुली लूट जारी रहेगी और प्रशासन कब जागेगा।

समाधान की जरूरत, कब लगेगी लगाम?

स्थिति को सुधारने के लिए अनूपपुर जिला प्रशासन को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। फीस स्ट्रक्चर को पारदर्शी बनाना और उसकी अधिकतम सीमा तय करना जरूरी है। साथ ही अभिभावकों को ड्रेस और किताबें कहीं से भी खरीदने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। शिक्षा को व्यवसाय नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आम परिवारों के लिए अपने बच्चों को शुरुआती शिक्षा दिलाना भी मुश्किल हो जाएगा।

मौतों के बाद टूटी नींद; कोतमा में जर्जर इमारतों पर चला बुलडोजर का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।

कोतमा में तीन लोगों की दर्दनाक मौत के बाद आखिरकार नगर पालिका की नींद खुली है। बस स्टैंड के पास चार मंजिला इमारत ढहने की घटना ने प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। हादसे के बाद अब एक दर्जन से अधिक जर्जर मकानों को नोटिस जारी कर कार्यवाही शुरू कर दी गई है। शहर के कई वार्डों में चेतावनी बैनर लगाए गए हैं, जिससे मकान मालिकों में हड़कंप मच गया है और प्रशासन सख्त रुख में नजर आ रहा है। जिले में बीते सप्ताह शनिवार को कोतमा के बस स्टैंड क्षेत्र में हुई दर्दनाक घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। गहरी खुदाई के चलते चार मंजिला भवन भरभराकर गिर गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों का आरोप है कि कई दिनों से चल रही खुदाई पर प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते यह बड़ा हादसा हुआ था। घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया और जिम्मेदारों पर कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। साथ ही जर्जर भवनों की पहचान कर मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। अब नगर पालिका सख्त रुख अपनाते हुए ऐसे भवनों को जल्द से जल्द गिराने की तैयारी में है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

हादसे ने खोली प्रशासन की पोल

कोतमा में हुए इस भीषण हादसे ने नगर पालिका की लापरवाही को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड क्षेत्र में कई दिनों से गहरी खुदाई चल रही थी, लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे, जिससे आसपास की इमारतें खतरे में आ गईं। इसी लापरवाही का नतीजा यह रहा कि चार मंजिला इमारत अचानक ढह गई। घटना के बाद जनता में आक्रोश है और लोग प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

जिम्मेदारों पर गिरी गाज

हादसे के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और भवन मालिक पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। नगर पालिका के उपयंत्री वंदना अवस्थी और सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्रनाथ तिवारी को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही भवन मालिक और लॉज संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस कार्यवाही को प्रशासन की सख्ती के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन लोगों का कहना है कि अगर पहले ही निगरानी होती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

जर्जर मकानों पर नोटिस का डंडा

नगर पालिका ने शहर के विभिन्न वार्डों में जर्जर भवनों की पहचान कर एक दर्जन से अधिक मकान मालिकों को नोटिस जारी किया है। वार्ड क्रमांक 3, 4 और बाजार क्षेत्र सहित कई इलाकों में चेतावनी बैनर चस्पा कर दिए गए हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अगर मकान मालिक खुद अपने भवन नहीं गिराते हैं, तो नगर पालिका की टीम खुद कार्रवाई करेगी। इस सख्ती के बाद मकान मालिकों में हड़कंप मच गया है और कई लोग अब जल्द ही अपने भवन तोड़ने की तैयारी में हैं।

अवैध निर्माण का फैला जाल

कोतमा नगर में अवैध निर्माण का मामला भी गंभीर रूप से सामने आया है। जानकारी के मुताबिक शहर में दो दर्जन से अधिक पांच मंजिला इमारतें बिना उचित अनुमति के बन चुकी हैं। इसके अलावा 50 से ज्यादा अंडरग्राउंड निर्माण भी नियमों को दरकिनार कर किए गए हैं। नगर पालिका की मिलीभगत और लापरवाही के चलते यह अवैध निर्माण फल-फूल रहा था। अब प्रशासन इन सभी निर्माणों को चिन्हित कर जांच और कार्रवाई की बात कर रहा है।

क्या सख्ती टिक पाएगी या फिर ढीली पड़ेगी?

हादसे के बाद प्रशासन का सख्त रवैया जरूर नजर आ रहा है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सख्ती लंबे समय तक बनी रहेगी। अक्सर देखा जाता है कि बड़े हादसों के बाद कुछ दिनों तक कार्यवाही होती है, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। नागरिकों का कहना है कि अगर समय रहते नियमों का पालन कराया जाता, तो तीन लोगों की जान नहीं जाती। अब जरूरत है कि प्रशासन केवल दिखावटी कार्यवाही न करे, बल्कि स्थायी समाधान निकालते हुए शहर को सुरक्षित बनाए।

कल्याणिका विद्यालय में रंगों के माध्यम से उभरी प्रतिभाओं की झलक

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र तीर्थनगरी अमरकंटक स्थित कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल करते हुए पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस रचनात्मक प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कल्पनाशक्ति, सृजनात्मकता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रभक्ति, आध्यात्मिकता एवं सामाजिक विषयों पर आकर्षक चित्र उकेरे, जो न केवल उनकी प्रतिभा को दर्शाते हैं, बल्कि समाज के प्रति उनकी संवेदनशील सोच को भी प्रतिबिंबित करते हैं। रंगों के माध्यम से प्रस्तुत इन चित्रों ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने इस अवसर पर जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में प्रतिमाह विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिससे छात्र-छात्राओं का मानसिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना एवं नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया तथा सभी विद्यार्थियों को निरंतर सृजनात्मक गतिविधियों में सहभागिता हेतु प्रेरित किया गया। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जैतहरी विकास खण्ड अध्यक्ष पद पर बद्रीनाथ तिवारी निर्विरोध निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ब्लॉक जैतहरी इकाई के अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन प्रक्रिया 12 अप्रैल रविवार को आजिविका दीदी कैंटीन कलेक्ट्रेट परिसर में दोपहर 12:00 बजे सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा के दिशा-निर्देशानुसार निर्वाचन अधिकारी दिगंबर शर्मा और सहायक निर्वाचन अधिकारी रमाकांत शुक्ला द्वारा पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमावली के अनुरूप संपादित की गई। निर्वाचन में उपस्थित समस्त सदस्यों की सर्वसम्मति से बद्रीनाथ तिवारी को निर्विरोध जैतहरी ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। सहायक ब्लॉक निर्वाचन अधिकारी रमाकांत शुक्ला ने बताया कि आपके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयो को प्राप्त करें तथा समाज और राष्ट्र सेवा मे आपकी भूमिका और अधिक सशक्त बने, मैं अपने ब्लॉक निर्वाचन अधिकारी दिगंबर शर्मा के द्वारा पूरी कार्यवाही सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न करने के लिए धन्यवाद प्रेषित करता हूं। निर्वाचन उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष बद्रीनाथ तिवारी ने साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि संगठन के साथियों के विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। आज निर्वाचन के दौरान विकास खण्ड जैतहरी की कार्यकारिणी मे संरक्षक मंडल के अध्यक्ष दयाशंकर राव, वरिष्ट उपाध्यक्ष पद पर प्रकाश तिवारी (मोन्टी) तथा उपाध्यक्ष पद पर राजेश चौधरी, मदन मोहन मिश्रा, आशीष तिवारी, महासचिव अजीत तिवारी, कोषाध्यक्ष विजय राठौर, सह सचिव हरिचरण उपाध्याय, सच्चिदानंद पांडे, पंकज पंजवानी, राजेश पटेल ब्लाक कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में मोहम्मद नजीर का निर्वाचन संपन्न हुआ। निर्वाचन के पश्चात संभागीय संरक्षक मंडल के महासचिव अरुण ओटवानी ने संगठन में अनुशासन बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि किसी भी समस्या का समाधान संवाद से संभव है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ऐतिहासिक कदम-सांसद हिमाद्री सिंह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह 9 से 14 अप्रैल तक मुंबई और हैदराबाद में आयोजित संसद की महिला सशक्तिकरण समिति की बैठकों में सक्रिय भागीदारी कर रही हैं। इन बैठकों में कार्यस्थल पर महिलाओं के भेदभाव, उत्पीड़न की शिकायतों तथा सरकारी विभागों व उपक्रमों में महिला कर्मचारियों की समस्याओं व समाधान पर विस्तृत विचार-विमर्श हो रहा है। सांसद श्रीमती सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में लागू नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 वास्तव में देश की आधी आबादी को उनका पूरा हक दिलाने वाला ऐतिहासिक कदम है। दशकों तक पूर्ववर्ती सरकारों ने महिलाओं को उनका हक नहीं दिया, लेकिन भाजपा सरकार इस प्रतिबद्धता को पूरा कर रही है। इस अधिनियम से लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित होंगी, जो नीति निर्माण में उनकी भागीदारी बढ़ाएगा तथा नारी समाज को आत्मनिर्भर बनने और देश के विकास में योगदान देने का अवसर प्रदान करेगा। मुंबई में पेट्रोलियम कंपनियों, फर्टिलाइजर कंपनियों, बैंकों, एलआईसी, सीएसआईआर व आईआईटी जैसे संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा में सांसद ने महिलाओं के अधिकारों, समुचित प्रतिनिधित्व और लैंगिक उत्पीड़न पर जोर दिया। वरिष्ठ भाजपा नेत्री के रूप में वे समिति के अन्य सदस्यों के साथ नारी सशक्तिकरण के विभिन्न बिंदुओं पर महत्वपूर्ण सुझाव साझा कर रही हैं, जिससे इन मुद्दों को मजबूत आवाज मिल रही है।